शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. (पूर्व) संस्कृत (सत्र 2021–22 से प्रभावशील)

एम.ए.पूर्व (संस्कृत) में पांच प्रश्न पत्र होगें। प्रत्येक प्रश्न –पत्र 100 अंको का होगा। प्रत्येक प्रश्न–पत्र में पांच ईकाइयां होगी। प्रश्न–पत्रों का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा। सभी प्रश्न–पत्र अनिवार्य है।

प्रथम प्रश्न पत्र : वैदिक भाषा तथा साहित्य

इकाई –1 ऋग्वेद सूक्त **20**

उषस् (1.48), इन्द्र (2.12), सवितृ (1.35), सरमा–पाणि–संवाद (10.108)
वाक (10.125), हिरण्यर्भ (प्रजापति) (10.121)

इकाई – 2 शुक्लयजुर्वेद – सूक्त

पुरूषसूक्त (31.1–16), शिवशंकल्प (34,1–6)
अथर्ववेद– सूक्त
मेघाजननम् (1.1) स्वराज्ये राज्ञः पुनः स्थापनम् (3.4), राष्ट्रसभा (12 .12) , पृथ्वी (12.1), सर्पविषनाशनम् (5,13)

इकाई – 3 ब्राम्हण तथा उपनिषद् **20**

1. शतपथब्राम्हण (1.6.3., 1–21) त्वष्टा के पुत्र विश्वरूप की कथा।
2. ईशावास्योपनिषद् (संपूर्ण)।

इकाई– 4 निरूक्त **20**

निरूक्त (प्रथम अध्याय) यास्क

इकाई –5 प्रातिशाख्य तथा शिक्षा

1. तैत्तिरीयप्रांतिशाख्य – अध्याय प्रथम **10**
2. पाणिनीयशिक्षा (संपूर्ण) **10**

अनुशंसित ग्रंथ –

1. दि न्यू वैदिक सेलेक्सन–भाग–1 तैलुङ्गः एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी/दिल्ली।
2. अथर्ववेद संहिता।
3. पाणिनीयशिक्षा – डॉ. कमलाप्रसाद पाण्डेय– विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी।
4. तैत्तिरीयप्रातिशाख्य – डॉ. कमलाप्रसाद पाण्डेय– विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक वाराणसी।
5. आथर्ववेद सूक्त सडग्रह तथा शतपथ ब्राम्हण का कमलाप्रसाद पाण्डेय–संतोष टायपिंग एण्ड ग्राफिक्स, जगमल चौक बिलासपुर (छ.ग.)

————0000————

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. (पूर्व) संस्कृत

द्वितीय प्रश्न पत्र : व्याकरण, भाषाविज्ञान, पालि तथा प्राकृत

पूर्णांक 100

इकाई – 1 व्याकरण **20**

कारकप्रकरण – सिद्धांतकौमुदी भट्टोजिदीक्षित।

इकाई – 2 भाषा विज्ञान **20**

1. भाषा स्वरूप और उद्‌गम।
2. भाषा विज्ञान का क्षेत्र, अन्य ज्ञान–विज्ञान से संबंध।
3. ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनियों के गुण।
4. अर्थतत्व और संबंध तत्व।

इकाई – 3 भाषा विज्ञान **20**

1. रूपविज्ञान
2. भाषा का विकास, आकृतिमूलक वर्गीकरण
3. भाषा, विभाषा, बोली, राष्ट्रभाषा।
4. लिपि और उसका इतिहास।
5. यूरोपीय परिवार– विशेषतः हिन्द–ईरानी शाखा, ईरानी और भारतीय की तुलना, वैदिक संस्कृत तथा लौकिक संस्कृत की तुलना, संस्कृत और प्राकृत की तुलना।

इकाई – 4 पालि – प्रवेशिकाः पाठ – 1,3,5,6,10,12,30,31 (व्याख्या हेतु) **20**

इकाई – 5 प्राकृत

1. प्राकृत – प्रवेशिका पाठ – 1,2,3,14,20,24,25,29,30 (व्याख्या हेतु) **20**

अनुशांसित ग्रंथ –

1. पाणिनीय और सारस्वतीय पारिभाषिक संज्ञाओं का तुलानात्मक अध्ययन – डॉ. कमलाप्रसाद पाण्डेय, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी /दिल्ली।
2. अष्टाध्यायी सहजबोध (खंड 1–2) डॉ. पुष्पा दीक्षित, प्रतिमा प्रकाशन, दिल्ली।
3. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना।
4. भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी।
5. पलि प्रवेशिका – डॉ. कोमलचंद्र जैनं।
6. प्राकृत – प्रवेशिका डॉ. कोमलचंद्र जैन।

———000———

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. (पूर्व) संस्कृत

तृतीय प्रश्न पत्र : दर्शन

पूर्णांक : 100

इकाई – 1	तर्कभाषा (अर्थापत्तिपर्यन्त) केशवमिश्र	**30**
इकाई – 2	सांख्यकारिका – ईश्वर कृष्ण (व्याख्या के लिए)	**20**
इकाई – 3	वेदांतसार – सदानन्द (व्याख्या के लिए)	**20**
इकाई – 4	आलोचनात्मक प्रश्न सांख्यकारिका से	**15**
इकाई – 5	आलोचनात्मक प्रश्न वेदान्तसार से	**15**

अनुशांसित ग्रंथ – सर्वदर्शन संग्रह

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. (पूर्व) संस्कृत

चतुर्थ प्रश्न पत्र : साहित्यशास्त्र तथा सौन्दर्यशास्त्र

पूर्णांक : 100

इकाई – 1	चिंतक तथा प्रमुख सिद्धांत– भरत, दण्डी, वामन, आनन्दवर्धन, राजशेखर, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, मम्मट, पण्डितराज, जगन्नाथ।	**20**
इकाई – 2	नाटय शास्त्र – भरतमुनि – प्रथम अध्याय	**20**
इकाई – 3	नाट्य शास्त्र – भरतमुनि – द्वितीय अध्याय	**20**
इकाई – 4	काव्य प्रकाश – मम्मट – प्रथम उल्लास	**20**
इकाई – 5	काव्य प्रकाश – ममम्ट – द्वितीय उल्लास	**20**

अनुशांसित ग्रंथ –

1. स्वतंत्रकलाशास्त्र (भाग 1–2) के.सी. पाण्डेय वाराणसी।
2. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – नगेन्द्र।
3. भारतीय सौन्दर्य शास्त्र की भूमिका – नगेन्द्र।

———000———

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ (छ.ग.)

एम.ए. (पूर्व) संस्कृत

पंचम प्रश्न पत्र : काव्य

पूर्णांक : 100

इकाई – 1	(क) मेघदूत (पूर्वमेघ) कालिदास – व्याख्या	15
	(ख) मेघदूत कालिदास – आलोचनात्मक प्रश्न	10
इकाई – 2	(क) मृच्छकटिक – शूद्रक (अंक 1, 3, 10 व्याख्या हेतु)	20
	(ख) मृच्छकटिक – आलोचनात्मक प्रश्न संपूर्ण से	10
इकाई – 3	नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग) श्री हर्ष (व्याख्या श्लोक 1 से 40 तथा 110 से अंत तक	20
इकाई – 4	रत्नावली नाटिका व्याख्या हेतु	15
इकाई – 5	आलोचनात्मक प्रश्न रत्नावली नाटिका अथवा नैषधीयचरित से	10

–––––000–––––